IIM Raipur kicks off Y20 Consultation Event with a Bang!

IIM Raipur commenced the Y20 consultation event at its campus with much enthusiasm and anticipation on a bright morning of 25th February 2023. The event aimed to gather young leaders from all over the world to exchange ideas and thoughts on topics that impact the youth globally.

Prior to the start of the event, the guests were given a tour of the campus. Additionally, they were treated with millet-based breakfast, as a contribution to India's observance of the International Year of Millets 2023. Further, the registration process was completed and a session for introductions and socializing was conducted for the delegates. To inaugurate the event, the guests were welcomed at the magnanimous auditorium of the institute. The lighting of the lamp was done by Smt. Renuka Singh, Hon'ble MoS, Tribal Affairs, GoI, along with other esteemed guests.

Dr. Ram Kumar Kakani, the Director of IIM Raipur, delivered the welcome address, expressing his belief that the Y20 Consultation event is a powerful driver of global transformation. He highlighted the importance of coming together to address the challenges posed by terrorism, socialist groups, and societal feudalism. Governments have a critical role to play in striking a balance between upholding human rights and maintaining law and order. Inter-community dialogue is crucial to ensuring that peace and harmony prevail. He encouraged the participants to engage in active discussions and brainstorming sessions throughout the event, so that they could generate innovative solutions to the world's most pressing issues.

Smt. Renuka Singh, Hon'ble MoS, Tribal Affairs, GoI, the Guest of Honour, began her speech by emphasizing the importance of the Y20 Consultation event as an opportune moment to pay tribute to all the freedom fighters who secured India's independence and contributed to its progress. She stated that the Prime Minister also shared this vision and recognized the significance of Indian youth on the global stage. To tackle issues effectively, it is necessary to engage in multilateral dialogues and forums. Despite the difficulties that India has faced, the country has played a crucial role in promoting world peace since gaining independence. She cited examples of how conflict had been curbed in Jammu and Kashmir and Northeastern states, where the youth are thriving. She expressed optimism that the discussions in this consultation would aid in peacebuilding and enable us to achieve the goal of "Vasudev Kutumbakam." Her address was followed by her felicitation and Vote of Thanks by Prof. Sanjeev Prashar.

A panel discussion on the subject of "Channelizing youth in conflict resolution," was conducted. According to Dr. Ajay Kumar Singh, Ex-CS, Assam, Bodoland peace negotiator, the young generation should follow the establishment of peace, uphold and preserve that. Dr Mohit Garg, IPS, SP, Balrampur, frontline LWE experience, said that gradual erosion of faith in the system and in the government can be observed in naxal conflicted areas. The trust can be earned through getting in touch with the younger generation belonging to these areas, having conversations with them, and planning activities for them to participate in, including educational, cultural, and athletic pursuits. Shri Mohd. Aijaz Asad, IAS, Deputy Commissioner, Srinagar emphasized that acts of terrorism and violence stifle the aspirations of the youth. Shri Reinhard Baumgarten, Reputed journalist, international conflict zones, German, brought up the conflict in Sudan and suggested that love could serve as a foundation for lasting peace.

Sushree Priyanka Bissa, Youth icon, Nehru Yuva Kendra, said that the discussion of wars also brings up the issues related to food, water, and resources, national security.

The second panel discussion on Experience Sharing Peace-making, Peacebuilding and Peacekeeping was moderated by Shri Rajat Bansal, IAS (DC, Balodabazar). The panelists of this session were Brig. Basant K Ponwar (Retd.), AVSM, VSM (Ex-Director, Counter-Terrorism and Jungle Warfare College), Shri Ratan Lal Dangi, IPS (Director, CG State Police Academy), Shri Rob York (Director, Regional Affairs, Pacific Forum, USA) and Dr Aditi Narayani (Track chair Y20). The key takeaway from this session was that resolving problems through the use of weapons is not effective, and that the way of thinking is more important than the tools available.

The third panel talk, overseen by Dr. Sarveshwar Narendra Bhure, IAS (DC Raipur), was focused on Building consensus among communities. The panel included Shri Nitesh Kumar Sahu, a young leader from Mungeli, Chhattisgarh; Dr. Philippe Eyebe Awono, an assistant professor at Jean Moulin University; and Sushree Shwetha Karambelkar, a 2nd year PGP student from IIM Raipur. One of the significant speakers in this session was Shri B Markam, an ex-naxalite, who later surrendered and brought peace and transformation in the communities. The session highlights the significance of the United Nations and Indian leaders such as Gandhi and Buddha in advocating for peace. India's demographic dividend is its youth population, the largest in the world. However, when it comes to building communities and promoting peace, citizens are not fully involved as peacemakers tend to focus on suppressing conflicts rather than resolving them. Another session moderated by the first year PGP students of IIM Raipur was focused on Multiple perspectives on reconciliation. The speaker Dr Prem Singh Bogzi (Visiting Distinguished Professor, IIM Raipur) commented that reconciliation involves recognizing that past actions may not have been ideal or efficient, but it requires bringing about social, economic, and political transformations and establishing a shared vision for moving forward.

IIM रायपुर ने **Y20** परामर्श कार्यक्रम की धमाकेदार शुरुआत की**!**

IIM रायपुर ने 25 फरवरी 2023 की एक उज्ज्वल सुबह पर अपने परिसर में Y20 परामर्श कार्यक्रम की शुरुआत बहुत उत्साह और प्रत्याशा के साथ की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दुनिया भर के युवा नेताओं को उन विषयों पर विचारों का आदान-प्रदान करना है जो युवाओं को विश्व स्तर पर प्रभावित करते हैं।

कार्यक्रम की शुरुआत से पहले अतिथियों को परिसर का भ्रमण कराया गया। इसके अतिरिक्त, भारत के बाजरा के अंतर्राष्ट्रीय वर्ष 2023 के पालन में योगदान के रूप में उन्हें बाजरा आधारित नाश्ते के साथ परोसा गया । इसके अलावा, इस परिचय के साथ पंजीकरण प्रक्रिया पूरी की गई और प्रतिनिधियों के लिए सामाजिक सत्र आयोजित किए गए। कार्यक्रम का उद्घाटन करने के लिए संस्थान के भव्य सभागार में अतिथियों का स्वागत किया गया। श्रीमती रेणुका सिंह, माननीय राज्य मंत्री, जनजातीय मामले, भारत सरकार ने अन्य सम्मानित अतिथियों के साथ दीप प्रज्ज्वलित किया।

आईआईएम रायपुर के निदेशक डॉ. राम कुमार काकानी ने स्वागत भाषण दिया, उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि Y20 परामर्श कार्यक्रम वैश्विक परिवर्तन का एक शक्तिशाली चालक है। उन्होंने आतंकवाद, समाजवादी समूहों और सामाजिक सामंतवाद द्वारा उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक साथ आने के महत्व पर प्रकाश डाला। मानवाधिकारों को बनाए रखने और कानून और व्यवस्था बनाए रखने के बीच संतुलन बनाने में सरकारों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। शांति और सद्भाव सुनिश्चित करने के लिए अंतर-सामुदायिक संवाद महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रतिभागियों को पूरे आयोजन के दौरान सक्रिय चर्चाओं और विचार-मंथन सत्रों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि वे दुनिया के सबसे अधिक दबाव वाले मुद्दों के लिए नए समाधान तैयार कर सकें।

श्रीमती रेणुका सिंह, माननीय राज्य मंत्री, जनजातीय मामले, भारत सरकार, सम्मानित अतिथि, ने Y20 परामर्श कार्यक्रम के महत्व पर जोर देते हुए अपने भाषण की शुरुआत उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक उपयुक्त क्षण के रूप में की, जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता हासिल की और योगदान दिया। इसकी प्रगति के लिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने भी इस दृष्टिकोण को साझा किया और वैश्विक मंच पर भारतीय युवाओं के महत्व को पहचाना। प्रभावी ढंग से मुद्दों से निपटने के लिए बहुपक्षीय संवादों और मंचों में शामिल होना आवश्यक है। भारत ने जिन कठिनाइयों का सामना किया है, उसके बावजूद देश ने स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद से विश्व शांति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने उदाहरणों का हवाला दिया कि कैसे जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर राज्यों में संघर्ष पर अंकुश लगाया गया, जहां युवा फल-फूल रहे हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस परामर्श में हुई चर्चाओं से शांति निर्माण में मदद मिलेगी और हम "वसुधैव कुटुंबकम" के लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्षम होंगे। उनके संबोधन के बाद प्रो. संजीव पराशर ने उनका अभिनंदन और धन्यवाद व्यक्त किया।

पैनल चर्चा "संघर्ष समाधान में युवाओं को चैनलाइज़ करना" विषय पर आधारित थी। डॉ अजय कुमार सिंह, पूर्व सीएस, असम, बोडोलैंड शांति वार्ताकार के अनुसार, युवा पीढ़ी को शांति की स्थापना का पालन करना चाहिए, उसे कायम रखना चाहिए और उसे बनाए रखना चाहिए। डॉ. मोहित गर्ग, आईपीएस, एसपी, बलरामपुर, अग्रिम पंक्ति वामपंथी उग्रवाद अनुभव, ने कहा कि नक्सल संघर्ष वाले क्षेत्रों में व्यवस्था और सरकार में धीरे-धीरे विश्वास का क्षरण देखा गया है। इन क्षेत्रों से संबंधित युवा पीढ़ी के संपर्क में रहकर और उनके लिए शैक्षिक, सांस्कृतिक और

एथलेटिक गतिविधियों की योजना बनाकर उनके साथ बातचीत करके विश्वास अर्जित किया जा सकता है। श्री मो. एजाज असद, आईएएस, उपायुक्त, श्रीनगर ने इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद और हिंसा के कृत्य युवाओं की आकांक्षाओं को दबा देते हैं। श्री रेनहार्ड बॉमगार्टन, एक प्रतिष्ठित पत्रकार, अंतर्राष्ट्रीय संघर्ष क्षेत्र, जर्मनी, ने सूडान में संघर्ष के बारे में बात की और सुझाव दिया कि प्रेम स्थायी शांति की नींव के रूप में काम कर सकता है। नेहरू युवा केंद्र की यूथ आइकॉन सुश्री प्रियंका बिस्सा ने कहा कि युद्ध की चर्चा से भोजन, पानी और संसाधन, राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दे भी सामने आते हैं।

अनुभव शेयरिंग पीस-मेकिंग, पीस बिल्डिंग और पीसकीपिंग पर दूसरे पैनल डिस्कशन का संचालन श्री रजत बंसल, आईएएस (डीसी, बलौदाबाजार) ने किया। इस सत्र के पैनलिस्ट ब्रिगेडियर बसंत के पोंवार (सेवानिवृत्त), एवीएसएम, वीएसएम (पूर्व निदेशक, आतंकवाद-विरोधी और जंगल युद्ध महाविद्यालय), श्री रतन लाल डांगी, आईपीएस (निदेशक, सीजी राज्य पुलिस अकादमी), श्री रॉब यॉर्क (निदेशक, क्षेत्रीय मामले, प्रशांत फोरम, यूएसए), डॉ अदिति नारायणी (ट्रैक चेयर Y20) श्री एस पोतम (जिला रिजर्व गार्ड (DRG), छत्तीसगढ़ पुलिस के यूनिट कमांडर) थे। सत्र का मुख्य निष्कर्ष यह था कि हथियारों के उपयोग के माध्यम से समस्याओं को हल करना प्रभावी नहीं है, और उपलब्ध उपकरणों की तुलना में सोचने का तरीका अधिक महत्वपूर्ण है।

तीसरे पैनल की बातचीत डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे, आईएएस (डीसी रायपुर) की देखरेख में हुई। यह समुदायों के बीच आम सहमति बनाने पर केंद्रित था। पैनल में मुंगेली, छत्तीसगढ़ के एक युवा नेता श्री नितेश कुमार साहू, जीन मौलिन विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर डॉ फिलिप आइबे अवोनो, समुदायों को बदलने वाले प्रभावशाली व्यक्ति श्री बी मरकाम और पीजीपी द्वितीय वर्ष की छात्रा सुश्री श्वेता करंबेलकर शामिल थीं। आईआईएम रायपुर से।

तीसरे पैनल की बातचीत की देखरेख डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे, आईएएस (डीसी रायपुर) ने की, यह समुदायों के बीच आम सहमति बनाने पर केंद्रित था। पैनल में मुंगेली, छत्तीसगढ़ के एक युवा नेता श्री नितेश कुमार साहू, जीन मौलिन विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर डॉ फिलिप आईबे अवोनो और आईआईएम रायपुर से पीजीपी द्वितीय वर्ष की छात्रा सुश्री श्वेता करंबेलकर शामिल थीं। इस सत्र के महत्वपूर्ण वक्ताओं में से एक पूर्व नक्सली श्री बी मरकाम थे, जिन्होंने बाद में आत्मसमर्पण कर दिया और समुदायों में शांति और परिवर्तन लाया। सत्र शांति की वकालत करने में संयुक्त राष्ट्र और गांधी और बुद्ध जैसे भारतीय नेताओं के महत्व पर प्रकाश डालता है। भारत का जनसांख्यिकीय लाभांश इसकी युवा आबादी है, जो दुनिया में सबसे बड़ी है। हालाँकि, जब समुदायों के निर्माण और शांति को बढ़ावा देने की बात आती है, तो नागरिक पूरी तरह से शामिल नहीं होते हैं क्योंकि शांति निर्माता संघर्षों को हल करने के बजाय उन्हें दबाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। आईआईएम रायपुर के पीजीपी प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा संचालित एक और सत्र सुलह पर कई दृष्टिकोणों पर केंद्रित था। वक्ता डॉ. प्रेम सिंह बोगज़ी (विज़िटिंग विशिष्ट प्रोफेसर, आईआईएम रायपुर) ने टिप्पणी की कि सुलह में उन पिछले कार्यों को पहचानना शामिल है जो आदर्श या कुशल नहीं हो सकते थे, इसके लिए सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन लाने और आगे बढ़ने के लिए एक साझा दृष्टि स्थापित करने की आवश्यकता है।

इस आयोजन का सबसे महत्वपूर्ण खंड भारत सरकार के माननीय युवा मामले और खेल मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर के साथ 'युवा संवाद' था। कार्यक्रम की शुरुआत छात्रों में काफी उत्साह के साथ हुई। इसका संचालन प्रोफेसर संजीव पाराशर, प्रोफेसर मार्केटिंग, आईआईएम रायपुर ने किया। मंत्री ने अपनी प्रगति के लिए छत्तीसगढ़ राज्य की सराहना करते हुए शुरुआत की और उत्सुक और कल्पनाशील व्यक्तियों का हिस्सा होने पर गर्व व्यक्त किया। वे आईआईएम रायपुर के लोगो में पारंपरिक कला के उपयोग से प्रभावित हुए और छत्तीसगढ़ में झरनों, मंदिरों और 44% वन आवरण के साथ घर जैसा महसूस किया। राज्य खनिजों, जंगलों, धातुओं से समृद्ध है और प्रसिद्ध कोसा रेशम का उत्पादन भी करता है। उन्होंने अंतराल को पाटने, प्रतिभा दिखाने के अवसर प्रदान करने और वैश्विक समस्याओं को हल करने में प्रौद्योगिकी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विघटनकारी तकनीकों का लाभ उठाने और बेजोड़ जोश, जीवन शक्ति और जीवंतता रखने के लिए छत्तीसगढ़ के युवाओं की प्रशंसा की।

दर्शकों ने राजनीति में युवाओं की भागीदारी, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, आत्म-सशक्तिकरण, और अंतरराष्ट्रीय छात्रों के अपने देश में योगदान आदि के बारे में कई पूछताछ की। इस सत्र से सीखा गया मुख्य सबक यह है कि निरंतर सीखना और नए कौशल प्राप्त करना सशक्त बना सकता है। युवा लोगों को अपने देश की प्रगति में भाग लेने और शांति को बढ़ावा देने के लिए। उन्होंने आगे कहा, "आपका नेटवर्क आपकी नेट वर्थ है।" उन्होंने युवाओं को अपने नेटवर्क का विस्तार करने और लोगों के साथ अधिक संबंध स्थापित करने के लिए प्रेरित किया क्योंकि यह उनके भविष्य के लिए फायदेमंद हो सकता है। इसके अलावा, उन्होंने सुझाव दिया कि युवाओं को व्यापक अनुभव और अनुभव हासिल करने के लिए अधिक से अधिक यात्रा करनी चाहिए।

अंत में, IIM रायपुर द्वारा आयोजित Y20 परामर्श कार्यक्रम एक शानदार सफलता थी, जो युवा नेताओं, विशेषज्ञों, और नीति निर्माताओं को विचारों का आदान-प्रदान करने और शांतिपूर्ण और टिकाऊ समुदायों के निर्माण के लिए अभिनव समाधान विकसित करने के लिए एक साथ ला रहा था। जटिल सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए सहयोगात्मक और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए पैनल चर्चा, मुख्य भाषण, और युवा संवाद सत्रों ने समुदाय-निर्माण, आम सहमति-निर्माण और सुलह पर विभिन्न दृष्टिकोणों का पता लगाया। इस आयोजन की सफलता आईआईएम रायपुर की नेतृत्व को बढ़ावा देने, सतत विकास को बढ़ावा देने और भविष्य में इस पर गति बनाने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।